संवर्धन

सीएसआईआर-एम्प्री भोपाल की त्रैमासिक समाचार पत्रिका

अक्टूबर - दिसम्बर 2025, खंड 1, अंक 3

इस अंक में

- निदेशक की कलम से
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ
- नई परियोजनाएँ
- पेटेंट
- प्रकाशन
- सम्मान/पुरस्कार
- अनुसंधान परिषद की बैठक
- समझौता ज्ञापन
- एसीएसआईआर
- विद्यार्थियो को पुरस्कार
- कौशल विकास
- जिज्ञासा
- विविध आयोजन
- राजभाषा
- आउटरीच गतिविधियाँ
- आमंत्रित व्याख्यान
- गणमान्य व्यक्तियों का दौरा
- मीडिया में सीएसआईआर-एम्प्री

निदेशक की कलम से

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल की त्रैमासिक समाचार –पत्रिका 'संवर्धन' का तीसरा अंक (अक्टूबर-दिसम्बर 2025) प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सीएसआईआर-एम्प्री,भोपाल वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), नई दिल्ली के अंतर्गत एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है।

इस तिमाही के दौरान, मेसर्स री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड और आईआईटी, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। 26-27 अक्टूबर 2025 को प्रो. वी.के. सिंह की अध्यक्षता में 51वीं अनुसंधान परिषद की बैठक आयोजित की गई। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित हुए और वैज्ञानिकों एवं छात्रों को विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त हुए। सीएसआईआर- एम्प्री टीम ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों और 9वीं राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला का आयोजन करके एकीकृत कौशल पहल और जिज्ञासा में योगदान दिया। आईआईएसएफ-2025 का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित किया गया और इस तिमाही के दौरान 84वां सीएसआईआर स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। हमारी टीम ने तिरुपति में आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस-2025) के 7वें संस्करण और 10वें अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं बागवानी प्रौद्योगिकी एक्सपो-2025 में भाग लिया और वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया। नई दिल्ली में आयोजित 17वें जीआरआईएचए शिखर सम्मेलन में, जीआरआईएचए परिषद ने सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के अत्याधुनिक हरित प्रयोगशाला भवन को अक्टूबर 2030 तक पांच सितारा जीआरआईएचए अनंतिम रेटिंग से सम्मानित किया और इसे वर्ष 2025-26 के लिए नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग का विजेता घोषित किया। सीएसआईआर- एम्प्री,भोपाल के नव नियुक्त प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए राजभाषा में कार्यशाला आयोजित की गई।

सीएसआईआर- एम्प्री सामाजिक लाभ के लिए प्रगत पदार्थों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों/उत्पादोंको विकसित करने और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के भारत सरकार के दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शुभकामनाओं सहित,

- डॉ.थल्लाडा भास्कर

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

द्रवयुक्त बेड प्रक्रिया प्रणालियों का उपयोग करके लागत प्रभावी तांबा-ग्रेफीन पाउडर पदार्थ का विकास (खान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)

पाउडर पदार्थों, जैसे तांबा-ग्रेफीन पाउडर पदार्थ के मिश्रण के लिए, एकसमान मिश्रण तकनीक स्थापित करने की हमेशा आवश्यकता होती है। ऐसी किसी भी प्रक्रिया में, ग्रेफीन के गुणों में गिरावट, कमजोर इंटरफेशियल बंधन का विकास और मिश्रण प्रक्रिया की स्केलेबिलिटी की संभावना भी रहती है। इस कार्य में तांबा-ग्रेफीन कंपोजिट के विकास के लिए एक उत्कृष्ट और स्केलेबल प्रक्रिया मार्ग स्थापित किया गया है। स्थापित द्रव बेड कोटिंग और सुखाने की पद्धति (चित्र 1) की सहायता से तांबे के मैट्रिक्स में ग्रेफीन का एकसमान मिश्रण सुनिश्चित किया गया। स्थापित प्रक्रिया का उपयोग करके ग्रेफीन के गुणों में गिरावट के बिना एकसमान फैलाव प्राप्त किया जा सकता है और यह प्रक्रिया बड़ी मात्रा में पाउडर तैयार करने के लिए आसानी से स्केलेबल भी है। तैयार पाउडर को पाउडर धातुकर्म विधि और उसके बाद थर्मोमैकेनिकल प्रसंस्करण (चित्र 2) द्वारा स्ट्रिप्स/प्लेटों के आकार में अंतिम रूप दिया गया। विकसित कंपोजिट पदार्थ के सूक्ष्म संरचनात्मक और यांत्रिक गुणों का गहन विश्लेषण किया गया है। इस विकसित पदार्थ का उपयोग हीट सिंक/एक्सचेंजर और कॉपर-कार्बन इलेक्ट्रोड अनुप्रयोगों में किया जा सकता है।

चित्र 1: एलडब्ल्यूएमडी, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल में विकसित की गई फ्लूइड बेड कोटिंग और सुखाने की सुविधा

चित्र 2: फ्लूइड बेड कोटिंग और सुखाने की सुविधा का उपयोग करके विकसित कॉपर-ग्रेफीन कंपोजिट

नई परियोजनाएं

ओवेरियन कैंसर के नॉन-इन्वैसिव पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्टिंग (पीओसीटी) के लिए स्व-निर्मित इलेक्ट्रोड वाला एक अत्यधिक संवेदनशील बायोसेन्सर, प्रायोजक: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), परियोजना लागत: 45,68,026 रुपये।

पेटेंट

स्पेंट क्रिस्टलाईन सिलिकॉन फोटोवोल्टिक सेल्स से एल्युमिनियम ब्लैक सतह क्षेत्र परत को हटाने की प्रक्रिया।
आवेदन संख्या: 202511132940, दिनांक 26 दिसंबर 2025 को दायर किया गया।
आविष्कारक: नीरज द्विवेदी, कृष्ण कुमार पटेल, चेतना ढांड, संदीप सिंघई

प्रकाशन

1. एस. जायसवाल, सी. ढांड, एन. द्विवेदी, आकार परिवर्तनीय सॉफ्ट मशीनें और प्रणालियाँ जो प्रतिक्रियाशील उन्नत सामग्रियों द्वारा सक्षम हैं, स्मॉल मेथड्स, 9, e01019, 2025. आईएफ.:9.1.

2. वी.पी. सिंह, जी.के. गुप्ता और एस. मिश्रा, संचयी रोल बॉन्डिंग द्वारा निर्मित जीओ-प्रबलित बहुपरत Al6061 कंपोजिट का संक्षारण व्यवहार, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स इंजीनियरिंग एंड परफॉर्मेंस, अक्टूबर 2025. आईएफ.:2.0. https://doi.org/10.1007/s11665-025-12275-2

3. के. कुमार, आर. मुंजल, वंदना, सिल्वर-नैनोफ्लावर से ढके छिद्रित सिलिकॉन सेंसर द्वारा आर्सेनिक का एसईआरएस-आधारित पता लगाना, एसीएस एप्लाइड नैनोमैटेरियल्स, 8 (41), 20006, 2025. आईएफ.: 5.5.

4. के. शर्मा, एस. सोनू, पी. सिंह, टी. अहमद, एस. काया, कॉन्स्टेंटिन, पी. कटिन, एन. कुमार, ए. सिंह, सी. एम. हुसैन, पी. रायज़ादा, फ्यूसिन बेसिक डाई के प्रभावी निम्नीकरण के लिए दोहरी जेड-स्कीम हेटरोस्ट्रक्चर्ड Vo-$Bi_2WO_6/Bi_2S_3/Ag_2S$ @Chitosan के बीच तालमेल, जर्नल ऑफ द ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल

इंजीनियर्स, 175, 106265, 2025. आईएफ.:6.3

5. ए. शर्मा, आर. चहल, ए. ओहलान, एन. द्विवेदी, जी. गुप्ता, एच. शुक्ला, डी.पी. मंडल, आर. कुमार, ग्रेफीन-डेकोरेटेड चुंबकीय ऑक्साइड नैनोकण-प्रबलित कार्बन कंपोजिट फोम के ईएमआई परिरक्षण गुण: ग्रेफीन @NiO, ग्रेफीन@Co_3O_4, और ग्रेफीन@Fe_3O_4 फिलर्स का एक तुलनात्मक अध्ययन, नेक्स्ट मैटेरियल्स, 9, 101311, 2025. आईएफ.1.9.

6. आर.शर्मा, पी.भारती, डी.के. रजक, ए.के. श्रीवास्तव, सुब्रमण्यम के.आर.एस. शंकरनारायणन, सी. ढांड और एन.द्विवेदी, हाइब्रिड 2डी पदार्थों के माध्यम से घर्षण और घिसाव नियंत्रण, एडवांस्ड कंपोजिट्स एंड हाइब्रिड मैटेरियल्स, 8, 448, 2025. आईएफ:21.8

7. के.यादव, ए.सिंघवाने, के.चतुर्वेदी, आर.के. महापात्रा और एस.वर्मा, बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए 3डी-मुद्रित एल्गिनेट-आधारित पदार्थों की समालोचना, पॉलिमर बुलेटिन, 82,12523, 2025.आईएफ.:4

8. वाई.सिंह, एम.एस.चौहान, ए.पप्पू एपॉक्सी-संशोधित ई-अपशिष्ट प्लास्टिक-फ्लाई ऐश हाइब्रिड कंपोजिट की उन्नत कार्यक्षमता: मैकेनिकल, स्पेक्ट्रोस्कोपिक, और थर्मल अभिलक्षणन, कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स, 501, 144135, 2025. आईएफ.: 8.0

9. वाई. सिंह, एम. एस. चौहान, ए. पप्पू, नोवेल हाइब्रिड ई-प्लास्टिक मिश्रित पैनल और इसके पदार्थों का कार्य- निष्पादन - सर्कुलर इकोनॉमी के लिए एक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण, सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 51(26), भाग बी, 49867, 2025. आईएफ: 5.6

10. पी. प्रभाकर, आर. के. सेन, एम. पटेल, जे.विश्वकर्मा, ए. विक्रम, ए. द्विवेदी, जे. पी. चौरसिया , ए. के. श्रीवास्तव , एन. द्विवेदी, सी. ढांड, घाव संक्रमण नियंत्रण के लिए पॉलीडोपामाइन-कार्यात्मक ग्राफीन ऑक्साइड एकीकृत पीसीएल/जिलेटिन नैनोफाइबर, जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 113, 107379, 2025. आईएफ:4.9.

11. आर.कुमार, ए.सुधाइक, ए.असलम, पी.खान, वान-हुय गुयेन, ए. सिंह, पी. सिंह,

एस. ठाकुर, पी. रायजादा, डिजाइनिंग टेंडेम एस-स्कीम फोटो-कैटेलिटिक सिस्टम: मैकेनिस्टिक अंतर्दृष्टि, अभिलक्षणन तकनीकें और अनुप्रयोग, एक्टा फिजिको-कीमिकासिनिका, 41(11) , 100150, 2025. आईएफ:13.5.

12. रितु, आर. मित्रा, पी. सी. शेरेल, एम. के. गुप्ता, एस. हौशियार, एल. वांग और एम.के. पटेल, महासागर तरंग ऊर्जा संचयन के लिए उच्च शक्ति लचीले सेलूलोज़-एमजीएएल स्तरित डबल हाइड्रॉक्साइड आधारित ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर, एसीएसएप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेस, 17(47), 64709, 2025. आईएफ: 8.2

13. के.यादव, एस. वर्मा, स्मार्ट 3डी-प्रिंटेड रेडिएशन शील्डिंग मैटेरियल्स का एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग-हाल के दिनों में एक नवाचार, कैनेडियन जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, दिसंबर 2025 (अर्ली एक्सेस), पहली बार प्रकाशित: 04 दिसंबर 2025. आईएफ:1.9 https://doi.org/10.1002/cjce.70143.

14. डी शनमुगराजन, सी डेविड, ए परिहार, पी कुलकर्णी, एन आर्य, आर खान, नेटवर्क फार्माकोलॉजी विश्लेषण से कार्डियोस्पर्मम हैलिकाकैबम में फाइटोकेमिकल्स के बहु-लक्ष्य इंटरैक्शन और स्तन कैंसर थेरेपी में उनकी क्षमता का पता चलता है, करंट बायोएक्टिव कंपाउंड्स, 21 (7), ई15734072309930, 2025. साईट स्कोर:1.8.

15. टी व्यास, एम ए सादिक, जे लोधी, ए जोशी, आर खान, कार्बन क्वांटम डॉट्स: जल संसाधनों में निकल आयनों की विशिष्ट जांच के लिए डाइमिथाइलग्लॉक्सिम पतली फिल्म-आधारित केमोसेंसर, एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स, 8, 11811, 2025.आईएफ:5.5

16. एस.ए.हुसैन, डी.महंत, ए.ए.अली, डी.महेश्वरी, एम.ए. सादिक, एच.एस.दत्ता, आर. खान, एस. गोगोई, ग्लूटाथियोन की संवेदनशील पहचान के लिए पेरोक्सीडेज मिमिक गतिविधि के साथ बोरोफेन/कार्बन डॉट्स नैनोहाइब्रिड, माइक्रोकेमिकल जर्नल, 218, 115688, 2025. आईएफ: 5.1.

17. एस.पांडेय, एस. मिश्रा और एच. एन. भार्गव, वास्तविक पानी के नमूनों में अल्ट्राफास्ट और विश्वसनीय फ्लोराइड का पता लगाने के लिए नैनोकम्पोजिट फ्लोरेसेंस सेंसर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री, 1-31, 2025. आईएफ:2.5

https://doi.org/10.1080/03067319.2025.2600592©2025

18. ए. सिंह, वी. सोनी, एस. सोनू, पी. रायजादा, ए. सिंह, ए. असलम, पी. खान, पी. सिंह, डाई और एंटीबायोटिक के अपघटन के लिए ग्राफडाइन व्युत्पन्न फोटोकैटलिस्ट की फोटोकैटलिटिक गतिविधि में उन्नयन पर हालिया अपडेट, इनआर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस, 182, 115656, 2025. आईएफ:5.4.

19. पी. आर्य, यू.के. तिवारी, एम.के.गुप्ता, उच्च-निष्पादनलचीला सतह कार्यात्मक मध्यस्थ पीजोइलेक्ट्रिक एमएक्सईन $Ti_3C_2T_x$ नैनोशीट आधारित नैनोजेनरेटर, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 1043, 184283,2025. आईएफ: 6.3.

20. ए.के.यादव, जी. सियाट्टो, पी.डी. बाबू, एस.के. घोष, स्वपन जाना, प्रदीप कुमार, डी. भट्टाचार्य, एक्स-रे अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके Fe-डोप्ड ग्रेफाइटिक ZnO के लोकल कोओर्डिनेशन और इलेक्ट्रॉनिक स्टेट्स की जांच, जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री,C129, 18291, 2025. आईएफ : 3.2.

21. एस.घोटिया, आर.सिंघल, एस. बनर्जी, ए. कुमार, पी. कुमार $Ti_3C_2T_x$ एमएक्सईएन के पार्श्व आकार संचालित वेटेबिलिटी, चालकता, चुंबकत्व और हाइड्रोजन भंडारण गुण, एसीएस एप्लाइड इंजीनियरिंग मैटेरियल्स, 3, 3862,2025. आईएफ: 5.5.

22. एस.शिल, एम.चौहान, एस. घोटिया, ए.त्यागी, पी. कुमार, एस. सिंह, उच्च-निष्पादनवाले इलेक्ट्रोकेमिकल हाइड्रोजन भंडारण के लिए CVD-विकसित NiO-कार्बन नैनोफाइबर से सजे rGO हाइब्रिड: पदानुक्रमित छिद्रपूर्ण संरचनाओं की भूमिका, नैनोस्केल, 17, 21175, 2025. आईएफ.: 5.1

23. जी.मुर्मू, एम. चौहान, पी.कुमार, एस. साहा, एस.सिंह, एमएक्सईएन- समर्थित पॉलीऑक्सोमेटालेट इलेक्ट्रोकैटलिस्ट्स का आकलन: क्या एमएक्सईएन हमेशा एचईआर और ओईआर अनुप्रयोगों के लिए एक चमत्कारिक पदार्थ है, इनआर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशंस,178, 114601, 2025. आईएफ: 5.4

सम्मान/पुरस्कार

1. सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर को 62वें वार्षिक रसायनज्ञ सम्मेलन (एसीसी) 2025 और "नेट ज़ीरो लक्ष्य और स्थिरता: हरित ऊर्जा, चक्रीय अर्थव्यवस्था और भारत की समृद्धि में रासायनिक विज्ञान की भूमिका" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेणी बी के तहत प्रोफेसर आर. डी. देसाई 80 वीं जयंती स्मारक पदक और पुरस्कार: (वार्षिक) : एंडोमेंट अवार्ड्स, इंडियन केमिकल सोसाइटी अवार्ड्स: 2025 से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन केमिकल सोसाइटी और रसायन विज्ञान विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से 18-20 दिसंबर, 2025 को आयोजित किया गया था।

डॉ. थल्लाडा भास्कर पुरस्कार प्राप्त करते हुए और श्रोताओं को संबोधित करते हुए

2. डॉ. कीर्ति सोनी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 'इंडिया इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन एकॉस्टिक्स 2025' में 'एकॉस्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एएसआई), एम.एस. नारायणन मेमोरियल लेक्चर अवार्ड 2025 प्राप्त किया। गुरुग्राम, हरियाणा, 30 अक्टूबर-01 नवंबर, 2025, (इंटरनेशनल कमीशन ऑन एकॉस्टिक्स (आईसीए) और एकॉस्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका (एएसए) द्वारा सह-प्रायोजित)

डॉ. कीर्ति सोनी पुरस्कार प्राप्त करते हुए

3. नई दिल्ली में आयोजित नवंबर 3-4, 2025 को 17वें गृह शिखर सम्मेलन में, गृह परिषद द्वारा सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के अत्याधुनिक हरित प्रयोगशाला भवन को अक्टूबर 2030 तक के लिए 'फाइव स्टार गृह प्रोविजनल रेटिंग' प्रदान की गई और साथ ही इसे वर्ष 2025-26 के लिए 'नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग' के लिए विजेता घोषित किया गया।"

नई दिल्ली में गृह शिखर सम्मेलन की झलकियाँ

4. सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के डॉ. शिव सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. प्रदीप कुमार, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. नीरज द्विवेदी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने आरएससी मटेरियल एडवांसेस के लिए ऊर्जा उत्पादन और रूपांतरण प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर आधारित थीम संग्रह का सफलतापूर्वक अतिथि-संपादन किया है। मटेरियल एडवांसेस, 6, 8207, 2025.DOI:10.1039/d5ma90079d. संपूर्ण संग्रह ऑनलाइन है। https://click.rsc.org/rsps/m/Ka1JsHVxZcNtE_tBwd_JU7lmGi8B4XcQT3dVmQuD_eo।

5. प्रो. (डॉ.) थल्लाडा भास्कर, निदेशक सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 29 नवंबर से 7 दिसंबर, 2025 तक ग्रेजुएट लेबोरेटरी गेस्टियन डेस रिस्कस एट एनवायरनमेंट, (एलजीआरई) यूनिवर्सिटी हाउते-अलसैस, मुलहाउस, फ्रांस का दौरा किया।

6. डॉ. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस-2025), 26-29 दिसंबर, 2025, तिरुपति में 'ऊर्जा और संसाधन संरक्षण' पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

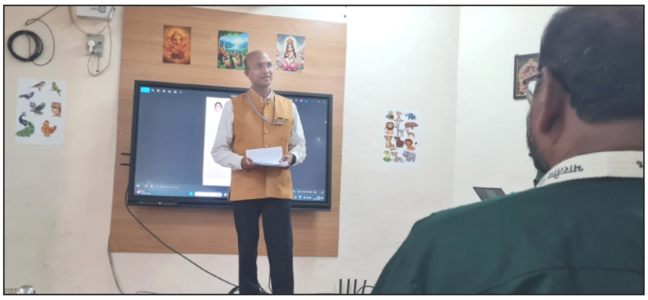

भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस-2025) में निदेशक, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल

7. डॉ. कीर्ति सोनी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने नीति आयोग के प्रतिनिधियों के साथ पैनल सदस्य के रूप में ओपन साइंस पब्लिशिंग: भारतीय जर्नल प्रकाशन के लिए खुला पारिस्थितिकी तंत्र पर गोलमेज बैठक, भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस- 2025), 26-29 दिसंबर 2025, तिरूपति में भाग लिया।

नीति आयोग के साथ गोलमेज बैठक में डॉ. कीर्ति सोनी

8. डॉ. शिव सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, को निम्नलिखित पदों पर नियुक्त किया गया है: i) जर्नल 'फ्रंटियर्स इन नैनोटेक्नोलॉजी' में एसोसिएट एडिटर ii) 'विले कार्बन न्यूट्रलाइजेशन' (आईएफ =15) के यूथ एडिटोरियल बोर्ड सदस्य iii) 'स्प्रिंगर नेचर' के 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' (आईएफ=15.5) एडिटोरियल बोर्ड सदस्य iv) 'विले' के 'एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल मटेरियल्स' (आईएफ=15) के 'अर्ली करियर रिसर्चर्स' एडिटोरियल बोर्ड के एडिटर और v) जर्नल 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' के लिए 'स्प्रिंगर नेचर ऑथर सर्विस अवार्ड 2025'।

अनुसंधान परिषद की बैठक

51वीं अनुसंधान परिषद (आरसी) की बैठक 26-27 अक्टूबर 2025 को सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल में आयोजित की गई। डॉ. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने स्वागत भाषण दिया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि आरसी सदस्यों से प्राप्त मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया संस्थान के विकास में योगदान देगी। डॉ. भास्कर ने विभाग के पुनर्गठन सहित संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने टी3 क्लब और सीएसआईआर-एम्प्री के लोगो के अनावरण के बारे में भी जानकारी दी।

वैज्ञानिकों के साथ-साथ विभिन्न प्रभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसके बाद वैज्ञानिक और तकनीकी चर्चाएँ हुईं। डॉ.एस.के. झा, पूर्व सीएमडी, मिधानी (आमंत्रित सदस्य) ने आरसी बैठक के दौरान "राष्ट्र निर्माण में धातुकर्म और पदार्थ विज्ञान की संभावनाएं" पर एक व्याख्यान दिया। आरसी सदस्यों के समक्ष प्रशासनिक एजेंडा प्रस्तुत

किया गया। आरसी अध्यक्ष प्रोफेसर वी.के. सिंह द्वारा समापन टिप्पणियाँ दी गईं। उन्होंने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की और प्रस्तुतकर्ताओं के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने आरसी बैठक के नए प्रारूप की भी सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संस्थान की गतिविधियों की निरंतर निगरानी से प्रयोगशाला को और अधिक लाभ होगा। युवा शोधकर्ताओं और विभागाध्यक्षों को शामिल करने वाला एम्प्री का आरसी प्रस्तुतियों का नया मॉडल अन्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के लिए एक आदर्श बन सकता है। आरसी सदस्यों ने सीएसआईआर- एम्प्री द्वारा विकसित प्रक्रियाओं/उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनी हॉल का भी दौरा किया और वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की। आरसी बैठक, आरसी सचिव , मुख्य वैज्ञानिक और आरपीबीडी प्रमुख श्री हेमंत कुमार शुक्ला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

अनुसंधान परिषद की बैठक की झलकियाँ

समझौता ज्ञापन

सीएसआईआर- एम्प्री और एम/एस री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड, हैदराबाद ने सस्टेनेबिलिटी और औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए हाथ मिलाया

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल और एम/एस री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड, हैदराबाद ने 14 अक्टूबर 2025 को एम/एस री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड, हैदराबाद में आयोजित एक बैठक में सस्टेनेबिलिटी और औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय व्यक्तिगत विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए सहयोग करने के लिए हाथ मिलाया। बैठक की अध्यक्षता सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ थल्लाडा भास्कर और एम/एस री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड, हैदराबाद के प्रबंध निदेशक श्री मसूद मलिक ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ की।

सीएसआईआर-एम्प्री और एम/एस री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड के बीच सहयोग

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल और आईआईटी, हैदराबाद ने आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल और आईआईटी हैदराबाद ने आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 15 अक्टूबर 2025 को आईआईटी हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में प्रोफेसर थल्लाडा भास्कर, निदेशक सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल और प्रोफेसर बी एस मूर्ति, निदेशक आईआईटी हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में आईआईटी हैदराबाद और सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल की टीम ने भाग लिया।

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल और आईआईटी हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन की झलकियाँ

एसीएसआईआर

- सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के एसीएसआईआर साइंस क्लब ने 3 अक्टूबर, 2025 (5 सितंबर - राष्ट्रीय शिक्षक दिवस और 5 अक्टूबर - विश्व शिक्षक दिवस) को शिक्षक दिवस मनाया और शिक्षकों को सम्मानित किया। सीएसआईआर-एम्प्री के निदेशक और प्रतिष्ठित प्रोफेसर, प्रो. थल्लाडा भास्कर ने श्रोताओं को संबोधित किया।

सीएसआईआर-एम्प्री के एसीएसआईआर साइंस क्लब द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन

- श्री रंजन चतुर्वेदी, 20EE18A35002, एसीएसआईआर के पीएच. डी. छात्र ने 10 नवंबर, 2025 को "पॉली(विनाइल क्लोराइड) आधारित मिश्रित पदार्थो में कार्यात्मक भराव के रूप में पत्थर के अपशिष्ट कणों पर प्रायोगिक जांच" विषय पर पीएच.डी थीसिस के लिए सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण किया। शोधकार्य पर्यवेक्षक: डॉ. अशोकन पप्पू, सह-पर्यवेक्षक: डॉ. मनोज कुमार गुप्ता के निर्देशन में पूरा हुआ|

विद्यार्थियो को पुरस्कार

- रितिका फोगाट, प्रोजेक्ट एसोसिएट को 'इंडिया इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन एकॉस्टिक्स (आईएसए)-2025' में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसका आयोजन के-आईआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुरुग्राम, हरियाणा में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2025 तक हुआ था।
- साक्षी तिवारी, एसीएसआईआर की पीएच.डी छात्रा को अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में 16-18 नवंबर, 2025 को आयोजित 'ऊर्जा और पर्यावरण के लिए नैनोमैटेरियल्स और उपकरणों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CANDEE-2025)' में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- आयुषी सिंघल, एसीआईआर की पीएच.डी. छात्रा, सीएसआईआर-एम्प्री और आरएमआईटी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया को अटल बिहारी

वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में 16-18 नवंबर, 2025 को आयोजित 'ऊर्जा और पर्यावरण के लिए नैनोमैटेरियल्स और उपकरणों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CANDEE-2025)' में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- डॉ. रेनी गुप्ता, डीएसटी महिला वैज्ञानिक (वाइज़-स्कोप अध्येतावृति) को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल में 1-3 दिसंबर, 2025 को आयोजित "कार्यात्मक पदार्थों में हाल के रुझान" (ICRTFM-2025) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ अक्षय सिंह तोमर, सीएसआईआर-रिसर्च एसोसिएट को 11वें आईआईएसएफ-2025 के अंतर्गत 'चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए विज्ञान: अपशिष्ट मूल्यवर्धन और संसाधन दक्षता' विषय पर आयोजित 'युवा वैज्ञानिक सम्मेलन' में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो पंचकुला, हरियाणा में 6-9 दिसंबर, 2025 को आयोजित हुआ था।
- श्री धीरज बरमासे, प्रोजेक्ट एसोसिएट को 'रसायन विज्ञान और सतत विकास: सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के मार्ग - 2025'विषय पर 11-12 दिसंबर, 2025 को ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री तन्मय सरदार, एसीआईआर पीएच.डी. छात्र को "हाइड्रो इंटरनेशनल 2025, हाइड्रोलिक्स, जल संसाधन, नदी और तटीय इंजीनियरिंग पर 18-20 दिसंबर, 2025 को एनआईटी राउरकेला में आयोजित 30वे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कौशल विकास

1. सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल के तीसरे चरण के तत्वावधान में, सीएसआईआर-एम्प्री ने 1 से 7 नवंबर, 2025 तक 'सीएनसी टर्नर, कन्वेंशनल टर्नर, वेल्डर और फिटर' शीर्षक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, रायसेन के 18 छात्रों और 2 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। समापन समारोह 7 नवंबर, 2025 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर, सीएसआईआर-एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

2. सीएसआईआर एकीकृत कौशल विकास पहल के तीसरे चरण के तत्वावधान में, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल में 8 दिसंबर, 2025 को दो पांच दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रमों (8-12 दिसंबर, 2025) का उद्घाटन किया गया। इनमें से एक कार्यक्रम 'नैनोमैटेरियल्स का संश्लेषण, अभिलक्षणन और अनुप्रयोग' (विभिन्न संस्थानों के 25 छात्र) और दूसरा 'पदार्थ विकास और

अभिलक्षणन' (16 छात्र - इन्यास और आईसर भोपाल के साथ संयुक्त रूप से) था। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास करने और नवाचारों के लिए काम करने का कौशल प्रदान करना था।

3. सीएसआईआर एकीकृत कौशल विकास पहल के तीसरे चरण के तत्वावधान में, सीएसआईआर- एम्प्री, में 17 दिसंबर, 2025 को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के 100 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा तीन विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए। व्याख्यानों के बाद, छात्रों ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रयोगशाला और प्रदर्शनी हॉल का दौरा किया, जहां उन्हें उन्नत अनुसंधान सुविधाओं और उभरती प्रौद्योगिकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर के साथ एक सामूहिक तस्वीर के साथ हुआ, जो सभी प्रतिभागियों के लिए एक सफल और ज्ञानवर्धक एक दिवसीय यात्रा का प्रतीक था।

सीएसआईआर की एकीकृत कौशल पहल के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की झलकियाँ

जिज्ञासा

9वीं राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला (9वीं एनएसटीडब्ल्यू) 2025-26

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने सीएसआईआर- जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत 10-11 दिसंबर, 2025 को दो दिवसीय 9वीं राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला (2025-26) का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय था "तर्कसंगत सोच को प्रेरित करना: वैज्ञानिक भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका"। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस), नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस), राज्य सरकार और निजी विद्यालयों के 200 से अधिक विज्ञान शिक्षकों ने इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत करना और उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति के बारे में अद्यतन ज्ञान प्रदान करना था।कार्यशाला के पहले दिन, 10 दिसंबर 2025 को, उद्घाटन समारोह में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय (बीयू), भोपाल के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में और आईईएचई, भोपाल के भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रो. अनुज हुंडेट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

दोनों दिन, प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और सीएसआईआर- एम्प्री के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी व्याख्यान दिए गए, जिसके बाद शिक्षक-वैज्ञानिक संवाद सत्र आयोजित किया गया।भाग लेने वाले शिक्षकों ने प्रदर्शनी हॉल का दौरा किया, जिसमें संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया था।

समापन समारोह में आईसर भोपाल के निदेशक प्रो. गोबर्धन दास मुख्य अतिथि के रूप में और केवीएस, भोपाल के सहायक आयुक्त श्री विजय वीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

सीएसआईआर-एम्प्री में आयोजित 9वीं राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला की झलकियाँ

विविध आयोजन

आयुर्वेद दिवस 2025 पर व्याख्यान

10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर, सीएसआईआर-एम्प्री ने 7 अक्टूबर, 2025 को "दैनिक जीवन में आयुर्वेद का रहस्य" विषय पर आयुर्वेद व्याख्यान का आयोजन किया, इस के बाद आयुर्वेद विभाग की एमडी डॉ. प्रीति चोपड़ा द्वारा एम्प्री में आयुर्वेद ओपीडी सेवाएं दी गई।

सीएसआईआर-एम्प्री में आयुर्वेद दिवस-2025

विशेष अभियान 5.0 (2-31 अक्टूबर, 2025)

स्वच्छता को संस्थागत रूप देने और सरकारी कार्यालयों में लंबित कार्यों को कम करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान 5.0 (2-31 अक्टूबर, 2025) के अंतर्गत, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के स्टाफ ने स्वच्छता की शपथ ली, 9 अक्टूबर, 2025 को पैदल चले और स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

सीएसआईआर-एम्प्री में विशेष अभियान 5.0

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर - 2 नवंबर, 2025)

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

I) 27 अक्टूबर, 2025: सीएसआईआर-एम्प्री भोपाल की निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने सभी स्टाफ सदस्यों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई, जिसमें सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और सुशासन के प्रति उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

ii) 28 अक्टूबर, 2025: "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर निबंध/नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

iii) 29 अक्टूबर, 2025: सेवानिवृत्त प्रशासनिक नियंत्रक श्री मुकुंद सहाय ने सीसीएस (आचरण नियम) 1964 पर व्याख्यान दिया।

iv) 4 नवंबर, 2025: मुगलियाछाप गांव में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया और ग्रामीणों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम के दौरान एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। अधिकारियों ने सतर्कता के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

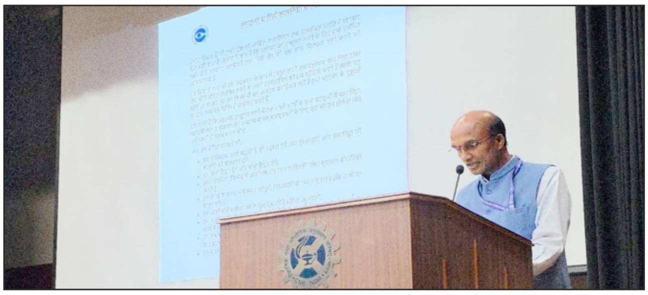

सीएसआईआर-एम्प्री में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025

84वां सीएसआईआर स्थापना दिवस – 2025

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 31 अक्टूबर, 2025 को अपना 84वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, डीआरडीओ चेयर (एमेरिटस), पूर्व महानिदेशक (ब्रह्मोस), डीआरडीओ एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, ब्रह्मोस एयरोस्पेस मुख्य अतिथि थे।

सीएसआईआर स्थापना दिवस बिजनेस मीट 1 नवंबर, 2025 को आयोजित की गई। श्री आशीष पटेल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हिंदुस्तान फाइबर ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 1 नवंबर, 2025 को ओपन डे मनाया। इस अवसर पर संस्थान ने एक प्रदर्शनी में विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों/उत्पादों का प्रदर्शन किया। स्कूलों, कॉलेजों के छात्रों और आम जनता ने आकर सीएसआईआर-एम्प्री में हो रहे अनुसंधान और प्रगति को देखा।

31 अक्टूबर, 2025 की शाम को स्टाफ सदस्यों, उनके परिवार, और शोधार्थियों के लिए फैंसी ड्रेस, नृत्य, नाटक, कठपुतली शो आदि से युक्त एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती थल्लाडा भवानी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

सीएसआईआर-एम्प्री में आयोजित 84वें सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह की झलकियाँ

आईआईएसएफ- 2025 कर्टेन रेज़र

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 24 नवंबर, 2025 को आईआईएसएफ 2025 का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित किया। प्रोफेसर करुणेश कुमार शुक्ला, निदेशक, मैनिट, भोपाल मुख्य अतिथि थे और श्री प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय संयुक्त आयोजन सचिव, विभा विशिष्ट अतिथि थे। अतिथियों ने एम्प्री द्वारा विकसित उत्पादों/प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का दौरा किया।

सीएसआईआर-एम्प्री में आयोजित आईआईएसएफ 2025 के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम की झलकियाँ

यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह – 2025

डॉ. सत्यम सैनी, एआरएमओ, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 17 दिसंबर 2025 को "यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह" (10-17 दिसंबर 2025) के उपलक्ष्य में "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम" विषय पर व्याख्यान दिया।

सीएसआईआर-एम्प्री में "यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह"

राजभाषा

दिनांक 29 दिसंबर 2025 को संस्थान में नवनियुक्त प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए एक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति की अनिवार्यताओं के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ मनीषा दुबे ने किया।

राजभाषा कार्यशालाकी झलक

आउटरीच गतिविधियाँ

1. सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 26-29 दिसंबर, 2025 को तिरुपति में आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस-2025) के 7वें संस्करण में भाग लिया और वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया।

तिरूपति में बीवीएस 2025 की झलकियाँ

2. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 26-28 दिसंबर, 2025 को भोपाल में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय कृषि और बागवानी प्रौद्योगिकी एक्सपो-2025 में भाग लिया और वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया।

भोपाल में एक्सपो की झलकियाँ

आमंत्रित व्याख्यान

1. वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजू खान ने 10-12 दिसंबर, 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर, गुजरात में फ्रंटियर्स ऑन इंजीनियरिंग फॉर हेल्थकेयर (एफईएच-2025) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डेंगू बायोमार्कर के शुरुआती पता लगाने के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर ग्राफीन ऑक्साइड - सिल्वर नैनोहाइब्रिड इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर" शीर्षक पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. डॉ. सारिका वर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने उन्नत पदार्थ अनुसंधान समूह, इंजीनियरिंग विज्ञान विभाग, एबीवी-आईआईआईटीएम, मुरैना, ग्वालियर, म.प्र द्वारा 16-18 नवंबर, 2025 को ऊर्जा और पर्यावरण के लिए नैनो पदार्थ और उपकरणों में प्रगति पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CANDEE-2025) में "नैनोइंजीनियर्ड कार्यात्मक पदार्थ: स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरण सुरक्षा के लिए इनोवेटिव रेडिएशन शिल्डिंग समाधान" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
3. प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अलका मिश्रा ने 'एमएसएमई इनोवेटिव योजना के तहत आईपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम' में भाग लिया और 'हाइब्रिड कंपोजिट पार्टिकल बोर्ड में परिवर्तित करने के लिए कृषि अपशिष्ट और संगमरमर अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकी' पर 23 दिसंबर 2025 को हरदा म.प्र में व्याख्यान दिया।

गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

1. प्रोफेसर वेणु गोपाल अचंता, निदेशक, सीएसआईआर-एनपीएल दिल्ली, 23 अक्टूबर, 2025।
2. प्रोफेसर एस.बी. जोन्नालगड्डा, सीनियर रिसर्च एसोसिएट और एमेरिटस प्रोफेसर, स्कूल ऑफ केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाज़ुलु-नटाल, डरबन, दक्षिण अफ्रीका ने सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल का दौरा किया और 17 नवंबर, 2025 को "हरित संश्लेषण और अन्य अनुप्रयोगों के लिए पुनर्चक्रणीय उत्प्रेरक के रूप में नैनोकम्पोजिट और मिश्रित ऑक्साइड पदार्थ" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
3. डॉ. पार्थसारथी रामकृष्णन, प्रमुख, सीएसआईआर-एचआरडीजी, नई दिल्ली, ने सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल का दौरा किया और 25 नवंबर, 2025 को "अनुसंधान और नवाचार को जोड़ना: अनुवाद और रूपांतरण के मार्ग" विषय पर व्याख्यान दिया।
4. प्रोफेसर प्रदीप कुमार रामनचारला, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की, ने 24 दिसंबर, 2025 को सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल का दौरा किया।

मीडिया में सीएसआईआर-एम्प्री

Ministry of Science & Technology

Azadi Ka Amrit Mahotsav

CSIR-AMPRI and Re Sustainability Limited Join Hands for Collaboration in Sustainability and Industrial Waste Management

Posted On: 15 OCT 2025 5:15PM by PIB Bhopal

In a significant step towards promoting sustainable development and efficient industrial waste management, **CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (CSIR-AMPRI), Bhopal** and **M/S Re Sustainability Limited, Hyderabad** have entered into a collaborative partnership. This strategic alliance leverages the unique expertise of both organizations to build a scalable and integrated model addressing critical environmental challenges.

The collaboration was formalized during a meeting held on **October 14, 2025**, at the premises of M/S Re Sustainability Limited, Hyderabad. The meeting was co-chaired by **Prof. Dr. Thallada Bhaskar**, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal, and **Mr. Masood Mallick**, Managing Director, M/S Re Sustainability Limited, Hyderabad. Senior officials from both organizations were present, including **Dr. Mohd. Akram Khan**, Chief Scientist, and **Dr. Sandeep Singhai**, Head of Business Development Group (BDG), CSIR-AMPRI.

Ministry of Science & Technology

Azadi Ka Amrit Mahotsav

9th National Science Teachers Workshop 2025–26 Organized at CSIR-AMPRI, Bhopal

Posted On: 10 DEC 2025 5:23PM by PIB Bhopal

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (CSIR-AMPRI), Bhopal have organized Two-Day 9th National Science Teachers Workshop (2025–26) under the CSIR-Jigyasa Programme on December 10–11, 2025. The theme of the workshop was "Inspiring Rational Minds: The Role of Teachers in Shaping Scientific Future." More than 200 Science teachers from Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS), Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS), State government and private schools have actively participated in this workshop. The program aimed to strengthen the scientific temperament of teachers and provide them with updated knowledge on recent advances in science and technology.

On the first day of the workshop, December 10, 2025, the inaugural ceremony commenced with lighting of the lamp and a floral welcome to the dignitaries by Prof. Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal. The event was graced by Prof. Suresh Kumar Jain, Vice-Chancellor, Barkatullah University (BU), Bhopal as Chief Guest, and Prof. Anuj Hundet, Department of Physics and Electronics, IEHE, Bhopal as the Guest of Honour.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित

प्रविष्टि तिथि: 25 NOV 2025 5:31PM by PIB Bhopal

सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल ने 24 नवंबर, 2025 को भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 का कर्टेन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया | यह कार्यक्रम 6-9 दिसंबर 2025 की अवधि में पंचकुला, हरियाणा में "विज्ञान से समृद्धि : आत्मनिर्भर भारत के लिए" विषय पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मैनिट, भोपाल के निदेशक प्रोफेसर करुणेश कुमार शुक्ला मुख्य अतिथि थे। विभा के राष्ट्रीय संयुक्त आयोजन सचिव श्री प्रवीण रामदास विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना से हुआ। सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के निदेशक प्रोफेसर थल्लाडा भास्कर ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। प्रो. भास्कर ने आईआईएसएफ को मनाने की संकल्पना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमें विज्ञान में नवाचार करके "आत्मनिर्भर भारत" विकसित करने की आवश्यकता है और आईआईएसएफ इस संबंध में एक प्रमुख कदम है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान के योगदान और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आम लोगों के लिए है और इसे आम लोगों के बीच प्रदर्शित किया जाना चाहिए। हमें विज्ञान और समाज के बीच की दूरी को पाटने की जरूरत है और यह आईआईएसएफ का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

Ministry of Science & Technology

Azadi Ka Amrit Mahotsav

CSIR-AMPRI, Bhopal Organises Curtain Raiser Event for India International Science Festival (IISF) 2025

Posted On: 25 NOV 2025 5:31PM by PIB Bhopal

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), Bhopal organised Curtain Raiser Event of India International Science Festival (IISF) 2025 on November 24, 2025 which will be going to held in Panchkula, Haryana on theme "Vigyan se Samruddhi: For Atmanirbhar Bharat" during 6-9 December 2025. Prof. Karunesh Kumar Shukla, Director, MANIT, Bhopal was the Chief Guest on the occasion. Shri Praveen Ramdas, National Joint Organizing Secretary, VIBHA was the Guest of Honour.

Programme began with Saraswati Vandana. Prof. Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal welcomed the Chief Guest and Guest of Honour. Prof. Bhaskar briefed about the conceptualization of celebrating IISF. He highlighted that we need to develop "Atmanirbhar Bharat" (Self-Reliant India) by innovating science and IISF is a prime step in this regard. He spoke about the contributions and importance of science in Nation Building. The science is for the common people and should be showcased among the common people. We need to bridge the gap between science and society and this is one of the important purpose of IISF.

Dr. Mohd. Akram Khan, Chief Scientist, CSIR-AMPRI, Bhopal highlighted the details of the programme. He emphasised that purpose of IISF is to ignite youth to take science as carrier, to bring science to society and to showcase India's scientific achievements. Shri Praveen Ramdas, addressed the gathering. He highlighted that IISF showcased journey of India from ancient times till present era and its objective is to celebrate India's achievements and to bring science to everyone. During his address, he mentioned about various programmes that will be organised during upcoming IISF 2025 covering students-science village, four days camp, plenary lectures on topics like green energy, semiconductors, quantum technologies and many more.

रक्षा मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सीएसआईआर-एम्प्री द्वारा 84वें सीएसआईआर स्थापना दिवस का आयोजन

प्रविष्टि तिथि: 01 NOV 2025 9:14PM by PIB Bhopal

सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल ने 31 अक्टूबर, 2025 को 84वां सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीआरडीओ चेयर (एमेरिटस), पूर्व महानिदेशक (ब्रह्मोस), डीआरडीओ एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं महाप्रबंधक , ब्रह्मोस एयरोस्पेस डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा थे।

प्रातःकालीन सत्र में, डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने सीएसआईआर-एम्प्री द्वारा विकसित प्रक्रमों /उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। स्थापना दिवस समारोह का प्रारम्भ सीएसआईआर-एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा के स्वागत के साथ हुआ। अपने स्वागत भाषण में, डॉ. भास्कर ने सीएसआईआर-एम्प्री में चल रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों के क्षेत्रों की जानकारी दी और आत्मनिर्भर भारत के आह्वान के अनुरूप विकसित की जा रही प्रयोगशालाओं और प्रक्रमों के विकास की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसे क्षेत्रीय उपस्थिति के लिए स्थापित एक संस्थान - एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में विकसित और आज एक प्रासंगिक संस्थान के रूप में कार्यरत बताते हुए रेखांकित किया । इसके अलावा, हमारे युवा वैज्ञानिकों को राष्ट्र निर्माण हेतु एक टीम के रूप में कार्य करने हेतु तैयार करने में संस्थान की भूमिका को भी उन्होंने रेखांकित किया।

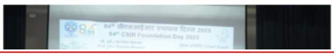

Ministry of Defence

Azadi Ka Amrit Mahotsav

84th CSIR Foundation Day Celebrated at CSIR – AMPRI

Posted On: 01 NOV 2025 9:25PM by PIB Bhopal

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), Bhopal celebrated 84th CSIR Foundation Day on October 31, 2025. Dr. Sudhir Kumar Mishra, DRDO Chair (Emeritus), Former Director General (BrahMos), DRDO & CEO and MD, BrahMos Aerospace was the Chief Guest on the occasion.

In the morning session, Dr. Sudhir Kumar Mishra, inaugurated the exhibition showcasing the exhibits of CSIR-AMPRI processes/products developed. The foundation day celebrations started with warm welcome of Dr. Sudhir Kumar Mishra by Dr.Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI. During his welcome address, Dr. Bhaskar briefed areas of R & D works at CSIR-AMPRI, highlighted the journey of transformation of lab and processes being developed as per the clarion call of an Atmanirbhar Bharat. Created as an institute for Regional Presence – Grown as Institute of Eminence and Today Its Institute of Relevance. Further, to nurture our young scientists to work in a team to build the nation.

Dr. P Asokan, Chief Scientist, CSIR-AMPRI, Bhopal highlighted the details of the programme. Dr.Mohd. Akram Khan, Chief Scientist, CSIR-AMPRI, Bhopal introduced the Chief Guest to the audience and highlighted his achievements.

Ministry of Science & Technology

Azadi Ka Amrit Mahotsav

CSIR-AMPRI, Bhopal, and IIT, Hyderabad, ink an MoU for research collaboration in the areas of mutual interest

Posted On: 18 OCT 2025 1:34PM by PIB Bhopal

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute(AMPRI) inks MoU with Indian Institute of Technology (IIT) Hyderabad for collaborative research & development in the areas of material science, chemical technology and allied domains of mutual expertise of additive manufacturing, waste-to-wealth technologies and sustainability. The MoU was exchanged at a ceremony held at IIT Hyderabad on 15/10/2025 between Prof. Thallada Bhaskar, Director CSIR-AMPRI, Bhopal and Prof. B S Murthy, Director IIT Hyderabad. The event was graced by team from IIT Hyderabad including Prof. G Narhari Sastry Dean (Research), Dr SudarsanamPutla, Dr. Mayur Vaidya and team from CSIR-AMPRI including Dr. Sandeep Singhai, Head Business Development and Dr. Ram Kumar, Scientist. The collaboration between CSIR-AMPRI and IIT Hyderabad is expected to generate significant advances in the field of metals, advanced materials, advanced processes and other allied fields benefitting both research communities and nation as a whole.

CSIR News
Newsletter of the Council of Scientific & Industrial Research
ISSN 0409-7467
Volume 75 No. 10 https://csirnews.niscpr.res.in | https://www.csir.res.in October 2025

of informed policy and effective science communication.

MoUs/Agreements

CSIR-AMPRI Signs an MoU with IMD

CSIR-AMPRI designed & developed the SODAR system facility, inaugurated at IMD

On the auspicious occasion of CSIR's Foundation Day, 26 September 2025, the SODAR (Sound Detection and Ranging) system facility, designed & developed by CSIR–Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), Bhopal, was inaugurated at the India Meteorological Department (IMD), Delhi by Honourable Dr M Ravichandran, Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES), Dr Mrutyunjay Mohapatra, Director General of Meteorology, India Meteorological Department and Prof. Dr Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal. Dr Mohd Akram Khan, Chief Scientist & Energy and Environmental Solutions Division; Dr Sandeep Singhai, Senior Principal Scientist & Head, Business Development Group,

194 CSIR News October 2025

CSIR News
Newsletter of the Council of Scientific & Industrial Research
ISSN 0409-7467
Volume 75 No. 10 https://csirnews.niscpr.res.in | https://www.csir.res.in October 2025

In the News

participating licensees, appreciated their efforts, and commended CSIR's initiative for bringing lab-developed technologies closer to the public through this "CSIR Model Super Store" concept. He acknowledged it as a visionary step toward promoting "Lab to Market to Masses", ensuring that innovations reach and benefit common citizens. Stall-wise list of participated CSIR labs and products is as follows:

Stall no	CSIR Lab	Products List
Stall 1	CSIR-CIMAP	Agarbatti/Incense sticks, Dhoop sticks, Dhoop cones, Havan cups, Essential oils, Detoxifying Body Wash with Aloe Vera & Lime, Geranium 2 in 1 Anti-Dandruff Shampoo with Menthol Herbs, Anti-Hairfall Bhringraj & Amla Shampoo with Reetha & Shikakai, Vitamin C Orange Face Wash, Acne Preventive Face Wash with Neem & Aloe Vera, Mosquito Repellent Room Spray, Lemon Fresh Floor Wash - Infused with Lemon Grass & Cedarwood Essential Oils 500ML, Herbal Hygiene Mint Liquid Sanitizer Spray 500ML, 100% Pure Rose Water Mist & Face Toner Spray, Shankhpushpi Anti-Hair Fall Oil, Pain Relief Oil
Stall 2	CSIR-AMPRI, CSIR-NIIST	D-tox Neer Water Filter, Leather-like Products from Plant-based Materials, such as handbags and wallets.

A wide range of CSIR-based products were showcased under various categories.

CSIR News
Newsletter of the Council of Scientific & Industrial Research
ISSN 0409-7467
Volume 75 No. 11 https://csirnews.niscpr.res.in | https://www.csir.res.in November 2025

Inauguration of the AcSIR Science Club at CSIR-AMPRI

Prof. Manoj Kumar Dhar, Director, AcSIR, inaugurated the AcSIR Science Club at CSIR-AMPRI, Bhopal, on 2 September 2025. In the first session, the programme began with the lighting of a lamp by all dignitaries, followed by Saraswati Vandana by AcSIR PhD students. Prof. Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal, welcomed Prof. Dhar with a floral bouquet.

Dr Mohd Akram Khan, Chief Scientist, CSIR-AMPRI, provided a brief introduction about the programme. He highlighted about main objectives of the Science Club, which are to ignite minds and inculcate creativity in AcSIR students and to give the opportunity to think out of the box and foster and showcase their inherent talent and creativity, including art, music, dance, social gathering, debate and many more.

During his address, Prof. Thallada Bhaskar highlighted the importance of creating the Science Club at various CSIR labs, which encourages the students who are the torch bearers to showcase their work accurately and in time time-bound manner using their hidden talent. He emphasised skill development and correlated skill development with employment.

He said that skills are demanded for career development. Many skills

their work and give their best to be outstanding among the crowd. He appreciated and highlighted the contributions of Prof. Dhar for uplifting and streamlining various activities of AcSIR.

Dr Alka Mishra, Principal Scientist and Co-ordinator, AcSIR, CSIR-AMPRI, Bhopal, spoke about "Nurturing Scholars, Driving Research". Through her presentation, she highlighted the importance of the Science Club. She presented the growth and journey of AcSIR at CSIR-AMPRI and highlighted the progress over the years.

All the office bearers of the Science Club took the oath given by Prof. Dhar. Students delivered a

Prof. Thallada Bhaskar highlighted the importance of creating the Science Club at various CSIR labs, which encourages the students who are the torch bearers to showcase their work accurately and in time time-bound manner using their hidden talent.

संपर्क:

प्रो. डॉ. थल्लाडा भास्कर

निदेशक

सीएसआईआर- प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री)

नर्मदापुरम रोड, भोपाल-462026 (मध्य प्रदेश)

फ़ोन: +91-755-2457105

ईमेल: director.ampri@csir.res.in

वेब साईट: https://ampri.res.in/

जुड़े रहें :

https://x.com/csirampribhopal

https://www.facebook.com/csirampri

https://www.instagram.com/csirampribhopal/